एकीकष्त नाशीजीव प्रबन्धन के लाभ :–

- पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाता है।
- यह विधि कीटनाशाक प्रबन्ध से ज्यादा सस्ती तथा लाभकारी है।
- कीटनाशाकों के प्रयोग स`जल, वायु, एवं भूमि में हाने वाले प्रदूषण को कम करता है।
- कीटनाशाकों के प्रयोग करते समय उत्पन्न खतरे कम हो जाते हैं।
- पुर्नउत्थान, प्रतिरोध एवं प्रवर्धि कीट उत्पाद आपदा को कम करता है।
- कषषि लागत मूल्य को कम करता है।
- सामुदायिक स्वस्थ्य के लिए लाभदायक।
- कीटनाशकों में हाने वाले खर्च को कम करता है।
- बार–बार कीटनाशक स्प्रे की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

एकीकष्त नाशीजीव प्रबन्धन एक नजर में :–

- गर्मियों में खेतों की गहरी जुताई ।
- खरपतवारों को समय र नष्ट करना।
- सही बीज का चयन तथा उचित बीज दर एवं पौधा अंतरण।
- प्रतिरोधी किस्मों को प्रयोग में लाना।
- पानी व खाद की उचित मात्रा उचित समय पर पौधों को देना।
- फसल चक्र को अपनाना।
- रोगग्रस्त पौधों या उनके भागों को नष्ट करना।
- हानिकारक कीड़ो, उनके अण्डों, सुण्डियों तथा प्यूपों को एकत्र करके नष्ट करना।
- विभिन्न प्रकार के परजीवी, परभक्षी एवं रोगजनकों को खेतो में छोड़ना व संरक्षण देना।
- ट्रेप लगाकर कीड़ो की उपस्थिति का पता लगाकर समय पर प्रबन्ध करना।
- फसल काटने के बाद बचे हुए अवशेषों का नष्ट करना।
- अंतिम उपाय के रूप में सुरिक्षत एवं चुने हुए कीटनाशी रसायनों का प्रयोग आर्थिक हानि स्तर के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों एवं पट्टी उपचार करना।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के कषषि प्रसार अधिकारी/कषषि विकास अधिकारी/विषयवाद विशेषज्ञ से सम्पर्क करें।